

ये अपने दर्द के किरसे, पुराने हो गये ^{sss}
 जो थे कल तक, हमारे वो-बेगाने हो गये
 बेगाने हो गये
 बेगाने हो ^{ssssss} गये

रखी थी दास्ताँ मैंने दिपा के-
 सुनतू जाने जाँ ^{ssss}
 न जाने क्या हुआ, तुझको ^{ss} बता दे,
 अब तो जाने जाँ
 ये किरसे आम होने थे-
 बहाने हो गये ^{sss}

जो थे कल तक----ये अपने-----

जहाँ को क्या सुनायें, आज अपने-
 दर्द का आल्म ^{ssssss}
 उठी इक आह सी दिल में- सतान-
 इतना तू जाल्म ^{sss}
 जली शम्मा- जो महफिल में-
 दीवाने हो गये ^{ssss}

जो थे कल तक----ये अपने-----

मुझे मालुम न था, वे-वफा \$\$\$ दुनियाँ
तेरी होगी \$\$\$

यकि है इक दफा मुझको, ये दुनियाँ \$\$\$
फिर मेरी होगी \$\$\$

कुद नये दर्द के नरामे. \$\$\$
तराने हो गये \$\$\$

जो थे कह तक ---- ये अपने

न मिल पाया ठिकाना-अब तक
मंजिल का, जो मुझको

मैं सन्हा ही भटकता हूँ-सुनाता
दास्तां किसको \$\$\$

"श्री बाबा श्री" रेवा के चरणों में-
ठिकाने हो गये \$\$\$

जो थे कह तक ----

ये अपने दर्द ----

जो थे कह तक ----